

बंगाल में बवाल बच्ची से रेप-मर्डर, उग्र भीड़ ने आरोपी को पीटकर मारा

वर्षिय सूची (Table of Contents):

- >> बंगाल के बरुईपुर में नाबालगि से रेप और हत्या इलाके में भारी तनाव...
- >> इलाके में पसरा सन्नाटा और दहशत का माहौल...
- >> उग्र भीड़ का फूटा गुस्सा संदग्धि आरोपी की पीट-पीटकर हत्या, पुलिस वाहन में तोड़फ...
- >> पुलिस प्रशासन के खलिफ फूटा लोगों का गुस्सा...
- >> कैसे घटी घटना सामान लेने नकिली थी 12 साल की बच्ची, तालाब में मलिा शव...
- >> तालाब से बरामद हुआ मासूम का शव...
- >> परजिनों का पुलिस पर गंभीर आरोप लापता होने के बाद खोजबीन में नही की मदद...
- >> समय पर कार्रवाई होती तो बच सकती थी जान...
- >> राज्य सरकार का बड़ा कदम मामले की गहराई से जांच के लिए एसआईटी (SIT) का गठन...
- >> एसआईटी जांच के मुख्य बद्दि और प्रक्रिया...
- >> राजनीतिक घमासान पुलिस की हरिसत में दूसरा आरोपी, स्थानीय बीजेपी कार्यकर्ता होने...
- >> आरोपी के राजनीतिक संबंधों पर बवाल...
- >> टीएमसी नेता अभषिक बनर्जी का बीजेपी पर तीखा हमला आरोपियों को मलि रहा राजनीतिक ...
- >> सोशल मीडिया पर अभषिक बनर्जी का बड़ा बयान...
- >> वर्तमान स्थिति सीएम ममता बनर्जी करेगी बरुईपुर का दौरा, चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल...
- >> मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम...
- >> नषिकर्ष...
- >> आपके सवाल, हमारे जवाब...

पश्चिमि बंगाल से एक झकझोर देने वाली कानून-व्यवस्था की घटना सामने आई है, जिसने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी है। दक्षिण 24 परगना जलि के बरुईपुर में एक 12 वर्षीय मासूम नाबालगि लड़की के साथ हुई हैवानयित के बाद इलाके में हसिक बवाल शुरू हो गया है। इस घटना ने एक बार फरि महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसके बाद स्थानीय स्तर पर आक्रोश का सैलाब उमड़ पड़ा है।

घटना के बाद कानून को अपने हाथ में लेते हुए आक्रोशति भीड़ ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। इस मामले में पुलिस प्रशासन की भूमिका पर भी उंगलियां उठ रही हैं। मामले की संवेदनशीलता और बगिड़ते हालातों को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत कड़े कदम उठाए हैं, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इस मुद्दे पर भारी घमासान छड़ि गया है। आइए इस पूरे घटनाक्रम की वसितृत रपिोर्ट और ताजा अपडेट जानते हैं।

बंगाल के बरुईपुर में नाबालगि से रेप और हत्या: इलाके में भारी

पश्चिम बंगाल का दक्षिण 24 परगना जिला इस समय सुलग रहा है। बरुईपुर के सूर्यपुर इलाके में उस समय स्थिति पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो गई, जब एक 12 साल की नाबालग बच्ची का शव बरामद किया गया। स्थानीय नविसयों और पीड़ित परजिनों का स्पष्ट आरोप है कि मासूम बच्ची को पहले अपनी हवस का शिकार बनाया गया और फिर साक्ष्य छुपाने के इरादे से उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई।

इलाके में पसरा सन्नाटा और दहशत का माहौल

इस जघन्य अपराध की खबर जैसे ही सूर्यपुर और उसके आस-पास के गांवों में फैली, लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। बाजार बंद हो गए और सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब तक दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा नहीं मिली जाती, तब तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल तैनात किया है।

इस तनावपूर्ण स्थिति के बीच कई सामाजिक संगठनों ने भी पीड़ितों के परिवार के लिए न्याय की मांग की है। इसी तरह देश के अन्य राज्यों में भी प्रशासनिक कार्रवाइयों की खबरें लगातार चर्चा में बनी हुई हैं, जैसे यूपी के सीतापुर: 8 जुलाई से स्कूलों पर बड़ा एक्शन, जब्त होंगे वाहन! की रिपोर्ट में देखा जा सकता है, जहां नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी चल रही है।

उग्र भीड़ का फूटा गुस्सा: संदिग्ध आरोपी की पीट-पीटकर हत्या,

मासूम के साथ हुई इस दरदगी ने स्थानीय लोगों के सब्र का बांध तोड़ दिया। जैसे ही लोगों को एक संदिग्ध आरोपी के बारे में पता चला, सैकड़ों की संख्या में उग्र भीड़ ने उसे घेर लिया। भीड़ ने कानून को पूरी तरह से दरकिनार करते हुए उस संदिग्ध शख्स की मौके पर ही पीट-पीटकर हत्या (मॉब लचिगि) कर दी।

पुलिस प्रशासन के खिलाफ फूटा लोगों का गुस्सा

जब स्थिति को संभालने के लिए स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, तो उग्र प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को भी नहीं बखशा। भीड़ ने पुलिस की गाड़ी पर पथराव किया और उसमें जमकर तोड़फोड़ की। गुस्से में लोगों ने मुख्य सड़क को पूरी तरह जाम कर दिया और सड़क के बीचों-बीच टायर जलाकर उग्र नारेबाजी और वरिध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कानून-व्यवस्था की स्थिति को बहाल करने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तुरंत मोर्चे पर उतारा गया है।

कैसे घटी घटना: सामान लेने निकली थी 12 साल की बच्ची, तालाब में

यह दर्दनाक घटना शनिवार शाम की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 12 वर्षीय नाबालग लड़की शनिवार शाम को करीब 4:30 बजे अपने घर से कुछ जरूरी सामान खरीदने के लिए पास के बाजार की तरफ निकली थी। लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी जब वह घर

वापस नहीं लौटी, तो परजिनों को किसी अनहोनी की आशंका सताने लगी।

तालाब से बरामद हुआ मासूम का शव

परजिनों ने पूरी रात आस-पास के इलाकों, रश्तेदारों के घरों और खेतों में बच्ची की खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं कोई सुराग नहीं मिला। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने एक संदग्धि व्यक्ति को पकड़ा। कड़ाई से पूछताछ करने पर उस संदग्धि ने उस स्थान का खुलासा किया जहां बच्ची को छुपाया गया था। उसकी नशानदेही पर गांव के ही एक तालाब से रविवार सुबह बच्ची का बेजान शव बरामद किया गया, जसि देखते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया।

परजिनों का पुलिस पर गंभीर आरोप: लापता होने के बाद खोजबीन में

इस पूरे मामले में पीड़ित परिवार ने स्थानीय पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बेहद गंभीर और संगीन आरोप लगाए हैं। पीड़ित माता-पिता का कहना है कि शनिवार शाम को जब बच्ची लापता हुई थी, तब उन्होंने तुरंत पुलिस से संपर्क साधने की कोशिश की थी और मदद की गुहार लगाई थी।

समय पर कार्रवाई होती तो बच सकती थी जान

>> लापरवाही का आरोप: परजिनों का दावा है कि पुलिस ने रात में उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और खोजबीन में कोई तत्परता या मदद नहीं दिखाई।

>> देरी से पहुंची पुलिस: ग्रामीणों का आरोप है कि अगर पुलिस शनिवार रात को ही एक्टिव हो जाती और तलाशी अभियान चलाती, तो शायद मासूम की जान बचाई जा सकती थी।

>> आधिकारिक बयान का इंतजार: हालांकि, इस संबंध में स्थानीय पुलिस अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक लिखित बयान या स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया है।

राज्य सरकार का बड़ा कदम: मामले की गहराई से जांच के लिए एसआईट

मामले की संवेदनशीलता और बगिड़ते सांप्रदायिक व सामाजिक हालातों को देखते हुए पश्चिम बंगाल सरकार तुरंत एक्शन मोड में आ गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देश पर इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष और त्वरित जांच के लिए एक विशेष जांच दल यानी एसआईटी (SIT) का गठन कर दिया गया है।

एसआईटी जांच के मुख्य बर्दि और प्रक्रिया

यह स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम पूरे घटनाक्रम की सलिसलिवार तरीके से जांच करेगी। एसआईटी मुख्य रूप से नमिनलखिति पहलुओं पर अपनी जांच केंद्रति रखेगी:

- >> नाबालगि लडकी की पोस्टमार्टम रपिर्ट का गहन वरिल्लेषण ताकामौत के सही कारणों और समय का पता चल सके।
- >> घटनास्थल और तालाब के आस-पास से वैज्ञानिकि सबूत, फोरेंसिकि साक्ष्य और डिजिटिल फुटप्रटिस एकत्र करना।
- >> उग्र भीड़ द्वारा की गई संदग्धि की हत्या और पुलिस वाहनों पर हुए हमले के दोषियों की पहचान करना।

प्रशासनिकि स्तर पर इस जांच की प्रगतिका हर घंटे का स्टेटस चेक (status check) कयिा जा रहा है। इसी प्रकार अन्य राज्यों में भी छात्र और युवा नई सरकारी प्रक्रियाओं के स्टेटस और नयिमों को आधिकारिकि वेबसाइटों पर जाकर ऑनलाइन चेक करते हैं, जैसेहरयाणा पॉलिटिकनकि 2026: डपिलोमा एडमशिन की तारीखें और पूरी प्रक्रियाकी जानकारी के लिए छात्र लगातार अप्लाई ऑनलाइन और लेटेस्ट अपडेट (latest update) खंगालते रहते हैं।

राजनीतिकि घमासान: पुलिस की हरिसत में दूसरा आरोपी, स्थानीय बी

बरुईपुर की इस घटना ने अब एक बेहद संवेदनशील राजनीतिकि मोड़ ले लयिा है। पुलिस ने इस मामले की तफ्तीश आगे बढ़ाते हुए शांतनु मंडल नाम के एक अन्य मुख्य आरोपी को हरिसत में लयिा है। पुलिस कस्टडी में लयिा गए इस आरोपी से बंद कमरे में लगातार पूछताछ की जा रही है और इस अपराध में उसकी वास्तवकि भूमिका की कड़ियों को जोड़ा जा रहा है।

आरोपी के राजनीतिकि संबंधों पर बवाल

हरिसत में लयिा गए शांतनु मंडल को लेकर स्थानीय स्तर पर यह दावा कयिा जा रहा है कि वह भारतीय जनता पार्टी (BJP) का एक सक्रयि कार्यकर्ता है। जैसे ही यह जानकारी सामने आई, तृणमूल कांग्रेस (TMC) और भाजपा के बीच बयानों के तीर चलने शुरू हो गए। हालांकि, बीजेपी के स्थानीय नेतृत्व ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि अपराधियों का कोई दल नहीं होता और मामले का राजनीतिकरण करने के बजाय नषिपक्ष जांच होनी चाहए ताकि असली सच सामने आ सके।

टीएमसी नेता अभषिक बनर्जी का बीजेपी पर तीखा हमला: आरोपयिों

इस घटनाक्रम को लेकर तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचवि और सांसद अभषिक बनर्जी ने वपिक्षी दल बीजेपी पर बेहद तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर एक लंबा और आक्रामक पोस्ट साझा करते हुए केंद्र और राज्य के वपिक्षी

नेताओं को कटघरे में खड़ा किया है।

सोशल मीडिया पर अभषिक बनर्जी का बड़ा बयान

अभषिक बनर्जी ने अपने बयान में लिखा कि यह घटना बेहद भयावह है और इसकी असली त्रासदी राजनीति है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ऐसा माहौल तैयार कर दिया गया है जहां जघन्य अपराधों के आरोपी खुद को राजनीतिक रूप से सुरक्षा महसूस करने लगे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राजनीतिक संबंध न्याय की प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे, तो समाज में कानून का इकबाल खत्म हो जाता है। उन्होंने वपिक्षी खेमे की चुप्पी पर भी नशाना साधते हुए कहा कि जब आक्रोश और न्याय राजनीतिक चश्मे से तय होने लगे, तो पूरा समाज इसकी भारी कीमत चुकाता है।

वर्तमान स्थिति: सीएम ममता बनर्जी करेंगी बरुईपुर का दौरा, चप्

घटना के बाद पूरे बरुईपुर और सूर्यपुर इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। चप्-चप् पर पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है ताकि किसी भी तरह की दोबारा हसिक भडकने की स्थिति को समय रहते रोका जा सके। खुफिया एजेंसियां भी सोशल मीडिया के पोस्ट्स पर नजर बनाए हुए हैं ताकि अफवाहों को फैलने से रोका जा सके।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

ताजा प्रशासनिक अपडेट के अनुसार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी चेयरपर्सन ममता बनर्जी जल्द ही पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के लिए बरुईपुर का दौरा करने वाली हैं। मुख्यमंत्री के इस प्रस्तावित संवेदनशील दौरे को देखते हुए कोलकाता स्थिति उनके आवास और बरुईपुर के रूट पर सुरक्षा व्यवस्था को अत्यधिक कड़ा कर दिया गया है। पुलिस महानदेशक खुद स्थिति की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

इस गंभीर माहौल के बीच, लोग खेल और अन्य क्षेत्रों की खबरों से भी जुड़े हुए हैं, जैसे फुटबॉल जगत में रोमांचक मुकाबलों और रणनीतियों के लिए लोग स्प्रस रलिंगेशन से बचाव का अंतमि मौका! जानिए क्यों दे जर्बी भरोसा कर रहे हैं जैसी रपोर्ट्स को लगातार पढ़ रहे हैं। लेकिन बंगाल की इस घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच रखा है।

नषिकर्ष

बरुईपुर की इस दलि दहला देने वाली घटना ने समाज की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। एक तरफ जहां 12 साल की मासूम बच्ची के साथ हुई दरदिगी कानून-व्यवस्था पर बड़ा धब्बा है, वही दूसरी तरफ उग्र भीड़ द्वारा कानून अपने हाथ में लेकर संदिग्ध की पीट-पीटकर

हत्या कर देना भी न्याय प्रणाली के सामने एक गंभीर चुनौती है। अब पूरी उम्मीद नवगठित एसआईटी (SIT) की नष्पिपक्ष जांच पर टिकी है। समाज को उम्मीद है कि इस मामले में राजनीति से ऊपर उठकर पीड़िता को न्याय मल्लिगा और दोषियों को ऐसी सजा दी जाएगी जो भवषिय के लिए एक नजीर बने।

आपके सवाल, हमारे जवाब

यह पूरी दरदनाक घटना पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के अंतर्गत आने वाले बरुईपुर के सूर्यपुर इलाके में घटी है।

पीड़िता नाबालगि लड़की की उम्र महज 12 वर्ष थी। वह शनिवार शाम को करीब 4:30 बजे घर से सामान लेने निकली थी और लापता हो गई थी।

नाबालगि लड़की का बेजान शव रविवार सुबह इलाके के ही एक तालाब से बरामद किया गया, जिसकी जानकारी एक पकड़े गए संदगिध ने दी थी।

आक्रोशति और उग्र भीड़ ने कानून को अपने हाथ में लेते हुए पकड़े गए संदगिध आरोपी की पीट-पीटकर मौके पर ही हत्या (मॉब लचिगि) कर दी।

हाँ, मौके पर पहुंची पुलिस टीम की एक गाड़ी में उग्र भीड़ ने जमकर तोड़फोड़ की और सड़क पर टायर जलाकर पुलिस के खिलाफ भारी वरिध प्रदर्शन किया।

पुलसि ने इस मामले में त्वरति कार्रवाई करते हुए शांतनु मंडल नाम के एक अन्य आरोपी को हरिसत में लिया है, जिससे गहन पूछताछ की जा रही है।

स्थानीय सूत्रों और दावों के अनुसार, हरिसत में लिए गए शांतनु मंडल को स्थानीय भारतीय जनता पार्टी (BJP) का कार्यकर्ता बताया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने इस संवेदनशील मामले की गहराई और नष्पिपक्षता से जांच करने के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) का गठन किया है।

परजिनों का आरोप है कि शनिवार रात बच्ची के लापता होने की सूचना देने के बावजूद पुलिस ने उसकी खोजबीन में कोई तत्परता या मदद नहीं की।

अभषिक बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने ऐसा माहौल बना दिया है जहां जघन्य अपराधों के आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होने का अहसास होता है।

जी हाँ, टीएमसी चेयरपर्सन और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बरुईपुर का दौरा करेंगी। सुरक्षा के लहिाज से उनके कोलकाता आवास के बाहर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

इलाके में भारी तनाव को देखते हुए चप्पे-चप्पे पर अतिरिक्त पुलिस बल और रैपडि एक्शन फोर्स तैनात है, और स्थिति पर बारीक नजर रखी

जा रही हैं।